राष्ट्र की प्रगति में संविधान का बड़ा महत्व है: न्यायमूर्ति गोविन्द माथुर

उद्गार

जस्टिस गोविंद माथुर ने संवैधानिक मूल्यों का पालन करते हुए जिम्मेदार नागरिक बनने की दी सीख

चौबेपुर। किसी राष्ट्र की प्रगति के लिए उसके संविधान का अत्यधिक महत्व होता है। व्यवस्थित संविधान देश की मजबूती और विकास का द्योतक है, यह बात इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गोविन्द माथुर ने रविवार को सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट द्वारा भंदहा कला कैथी ग्राम में संचालित आशा पुस्तकालय एवं अध्ययन केंद्र में छात्र-छात्राओं से संवाद के दौरान कही। उन्होंने एक अन्य देश का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत के साथ ही एक अन्य को भी स्वाधीनता मिली थी, भारत को जहां एक व्यवस्थित संविधान मिला, वहीं दूसरे देश के पास 25 वर्षों तक कोई निश्चित संविधान ही नही था। नतीजा आज सामने है कि वह देश विकास के तमाम मानकों में काफी पिछड़ा हुआ है और हम दुनिया की बड़ी ताकत बनने की और अग्रसर हैं।

भंदहाकलां में आशा ट्रस्ट द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम में मौजूद न्यायमूर्ति गोविंद माथुर व अन्य

अतिथियों का अभिनंदन करते हुए आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा बालिकाओं की शिक्षा और व्यक्तित्व विकास के लिए छह स्थानों पर लाइब्रेरी का संचालन किया जा रहा है। न्यायमूर्ति माथुर के साथ उनकी धर्मपत्नी एवं उच्च न्यायालय इलाहाबाद के अनेक अधिवक्तागण भी उपस्थित रहे। आगंतुकों का स्वागत प्रदीप सिंह, ज्योति सिंह, रणवीर पाण्डेय ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर किया। संचालन अनुष्का पाण्डेय, धन्यवाद ज्ञापन ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर विशेष रूप से एडवोकेट सुजीत कुमार, एडवोकेट प्रमोद कुमार साहनी, एडवोकेट अनिल श्रीवास्तव, साधना पाण्डेय, सरोज सिंह, अरुण राजन, रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, अशोक यादव, रमेश प्रसाद, बृजेश कुमार, सौरभ चन्द्र, अतुल चौबे, सुनीता, अनुष्का पाण्डेय, नर नाहर पाण्डेय, मिथिलेश यादव, अविनाश मालवीय आदि सहित आशा ई लाइब्रेरी और इलीट इंग्लिश स्कूल के बच्चों की उपस्थिति रही ।

भंदहां कला में राष्ट्रीय संविधान प्रचारकों का प्रशिक्षण प्रारम्भ

संविधान के प्रति जन-जन को सचेत करने का अभियान।

चौबेपुर (वाराणसी)। संविधान प्रचारको की चार दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला वृहस्पतिवार को भंदहा कला गाँव स्थित सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट के प्रशिक्षण केंद्र पर प्रारम्भ हुई। इसमें 7 राज्यों से लगभग 20 संविधान कार्यकर्ता शामिल हैं। संविधान लागू हुए 75 वर्ष होने के बावजूद मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति प्रायः जनजागरूकता कम ही है ऐसे में संविधान के संस्थापक सिद्धांतों का सरलीकरण कर के तथा संवैधानिक मूल्यों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संविधान प्रचारकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिससे वह अपने अपने क्षेत्रों में लोगों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक कर सकें। कार्यक्रम संयोजक एवं संविधान प्रचारक समिति के नागेश जाधव ने बताया संविधान प्रचारक जिम्मेदार नागरिकों और समान विचारधारा वाले संगठनों द्वारा चलाया जाने वाला एक

अभियान है जिसका उद्धेश्य संविधान-साक्षर नागरिक तैयार करना है। कार्यशाला में प्रशिक्षण के लिए हम विभिन्न तरीके अपनाते हैं, जिसमें संवाद सत्र, नुक्कड़ नाटक, कठपुतली, गीत, खेल-आधारित गतिविधियाँ, पोस्टर प्रदर्शनी आदि शामिल हैं। अभियान की सदस्य भारती ने बताया कि यह तीसरी कार्यशाला है इसके पूर्व कटनी मध्य प्रदेश और उदयपुर राजस्थान में ऐसी कार्यशालायें आयोजित की गयी थी।इस अवसर आगंतुको का स्वागत करते हुए ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने कहा कि संवैधानिक मूल्यों के प्रति समझ बढने से लोगों के मन में संविधान के प्रति आस्था और विशवास बढ़ेगा जो राष्ट्रहित के लिए आवश्यक है। कार्यशाला में डॉ गिरीजा भास्कर शिंदे, भारती अशोक खैर, नितीश राज, प्रवीण कुमार, प्रज्ञा शिखा, सुमेर हया, बिक्रम, सारिका, विजय, आमिर, मिथिलेश दुबे, प्रीती मौर्या, रमेश प्रसाद, बृजेश कुमार, दीन दयाल सिंह, प्रदीप सिंह, ज्योति सिंह, साधना सिंह आदि शामिल हैं।

आशा ट्रस्ट द्वारा आयोजित तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

- **4 जिलों के 34 शिक्षकों ने सीखा छोटे बच्चों को रोचक तरीके से भाषा और गणित पढ़ाने का तरीका**

चौबेपुर/ वाराणसी, आपका मेट्रो। प्रारंभिक कक्षाओं में रोचक तरीके से भाषा गणित पढ़ाने की विधि सिखाने के लिए आशा ट्रस्ट द्वारा तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन भंदहाकला स्थित प्रशिक्षण केंद्र पर किया गया। इसमें गाजीपुर, वाराणसी, सोनभद्र और चंदौली जिलों से कुल 34 प्रतिभागी सम्मिलित रहे। इन प्रतिभागियों में अधिकतर आशा सामाजिक शिक्षण केंद्रों के अध्यापक रहे जो सुदूर इलाकों अथवा ईंट भट्ठों पर प्रवासी मजदूरों के बच्चों को शिक्षित करने के कार्य में लगे हुए हैं । कार्यशाला में गणित और भाषा को खेल, गीत और रोचक गतिविधियों के माध्यम से पढाने की तकनीक पर अभ्यास कराया गया। भोपाल की संस्था एकलव्य से आये प्रशिक्षक कार्तिक कुमार शर्मा ने छोटे बच्चों को भाषा में अक्षर पहचान से लेकर शब्द और वाक्य बनाने और अंकों की पहचान करने की रुचिकर तकनीक सिखाई। उन्होंने रंगों कागज और आस पास मिलने वाली कबाड़ की वस्तुओं का अलग अलग प्रयोग कर के शैक्षिक उपकरण बनाना सिखाया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक अभिषेक सावर्न्य ने बताया कि प्रायः बच्चे गणित को कम रुचिकर और उबाऊ समझ कर उससे दूर भागते हैं जिससे बड़े होने उनके लिए मुश्किल पैदा हो जाती है. गणित हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा है इसे रुचिकर तरीके से पढाने और समझाने की आवश्यकता है। आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा कि रोचक तरीके से पढ़ाने की तकनीक का प्रयोग करने से बच्चों में पढाई के प्रति रूचि बढ़ेंगी, कार्यक्रम के आयोजन में दीन दयाल सिंह, प्रदीप सिंह, सौरभ चन्द्र, अविनाश सत्यमेव आदि का विशेष योगदान रहा।

भगवान शरणा

भंदहा कला में महिलाओं के लिए शुरू हुआ ओपन जिम

भंदहा कला में शुरू हुआ महिलाओं के लिए ओपन जिम ● जागरण

संवाद सूत्र, जागरण, चौबेपुर: सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट ने महिलाओं और किशोरियों के लिए भंदहा कला गांव में संचालित ई-लाइब्रेरी परिसर में शनिवार को ओपन जिम का शुभारंभ किया। गीता पांडेय ने कहा कि स्वस्थ रहने और फिटनेस के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है।

ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पांडेय ने कहा कि शहरों में विभिन्न स्थानों पर ओपन जिम लगाए गए हैं लेकिन गांवों भी मोटापा एक बड़ी समस्या बन रहा है ऐसे इस जिम की स्थापना विशेषकर महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रख कर की गई है जिससे वे सहजता से इसका उपयोग कर सकेंगी। उन्होंने बताया कि यहां योग प्रशिक्षक कैप्टन राजीव पांडेय द्वारा सूर्य नमस्कार का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

कार्यक्रम में रूबी पांडेय, रंजना पांडेय, साधना पांडेय, ज्योति सिंह, सरोज सिंह, सुष्मिता भारती सहित ई-लाइब्रेरी की लड़कियों ने प्रतिभाग किया।

शहादत दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित रक्तदान शिविर में 26 लोगों ने किया रक्तदान

चौबेपुर (वाराणसी) सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट के तत्वावधान में भंदहाँ कला, कैथी स्थित संस्थान के प्रशिक्षण केंद्र पर शहीद दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अमर शहीद सरदार भगत सिंह, शिव राम राजगुरु और सुखदेव थापर के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धाँजलि अर्पित की गयी। अमर शहीद राजगुरु, भगत सिंह और सुखदेव को एक साथ लाहौर में 23 मार्च 1931 को फाँसी दे दी गयी थी। रक्तदान शिविर में कुल 35 लोगों ने पंजीकरण कराया जिसमें 26 स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। जिसमे 11 प्रथम बार के रक्तदाता और पांच महिलाएं शामिल रही। इस अवसर पर आशा ट्रस्ट के समन्वयक सामाजिक कार्यकर्ता वल्लभाचार्य पाण्डेय जी ने अपना 107 वाँ रक्तदान किया। आशा ई लाइब्रेरी एवं स्टडी सेंटर के बालिकाओं ने रक्तदान की प्रक्रिया के बारे में जाना और समझा। पं. दीनदयाल उपाध्याय मंडलीय चिकित्सालय की 5 सदस्यीय दल का नेतृत्व कर रही प्रियंका गोस्वामी ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य कार्य नही है ऐसा करके हम दूसरे को जीवन दान देते हैं।काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के जीव वैज्ञानिक प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे, प्रवक्ता डायट गोविंद चौबे, अवकाश प्राप्त मुख्य प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक रणवीर पाण्डेय, ए.एसपी लखनऊ जितेन्द्र दुबे ने रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र प्रदान किये। इस अवसर पर रक्तदान पर आधारित बच्चों के बनाये पोस्टर की प्रदर्शनी भी लगाई गयी। इस अवसर पर प्रदीप सिंह, दीन दयाल सिंह, अमित कुमार, रूबी पाण्डेय, प्रवीण पाण्डेय, सौरभ चन्द्र, साधना, ज्योति, रंजना, रूबी, ज्योति, सुष्मिता, अंशिका, चन्दन, भारत भूषण, राजकुमार गुप्ता, नवीन, डॉ शशि भूषण सिंह आदि की प्रमुख भूमिका रही।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक,सम्पादक **डा.नीलम सिंह** द्वारा मीडियाटेक्ट प्रा. लि. गोविन्दपुर जी.टी.रोड. रोहनिया वाराणसी से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय एस. 2/278-3 भोजूबीर वाराणस

आशा ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं कर रात्रि विश्राम के लिए खोला अपना परिसर

10 दिन तक निःशुल्क रात्रि गुजार सकेंगे श्रद्धालु।

चौबेपुर (वाराणसी)। महाकुम्भ के चलते वाराणसी जिले में उमड़े हुए जन ज्वार के चलते देश के विभिन्न प्रान्तों से आये श्रद्धालुओं को काफी फजीहत का सामना करना पड़ रहा है। नगर में बाहरी नम्बरों की गाड़ियों का प्रवेश प्रतिबंधित होने से हजारों की संख्या में गाड़ियाँ नगर की सीमा के बाहर खडी हैं जिनमे आये हुए श्रद्धालुओं को न तो प्रसाधन की सुविधा मिल पा रही है न ही रात्रि विश्राम में लिए सुरक्षित स्थान. सडक के किनारे रात्रि काटने को मजबूर श्रद्धालुओं से आपदा में अवसर बनाते हुए पार्किंग के नाम पर मनमाना धन वसूली की भी खबरें मिल रही है। ऐसे में सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट ने अपने भंदहा कला (कैथी) परिसर को श्रद्धालुओं को रात्रि विश्राम हेतु निःशुल्क उपलब्ध कराने की पेशकश की है।

संस्था के समन्वयक एवं ट्रस्ट वल्लभाचार्य पाण्डेय ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिख कर और जिलाधिकारी एवं मंडलायुक्त वाराणसी को मेल लिख कर संस्था के इस प्रस्ताव से अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि देश भर से आये श्रद्धालुओं की मजबूरी का फायदा उठाते हुए उनसे मनमाना धन उगाही किये जाने से काशी की छवि धूमिल हो रही है। आशा ट्रस्ट परिसर में 50-60 लोगों के रात्रि विश्राम के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं जिनका निःशुल्क प्रयोग बाहर से आये श्रद्धालु अगले 10 दिनों तक कर सकते हैं। संस्था के कार्यकर्ता प्रदीप सिंह एवं दीन दयाल सिंह आशा केंद्र पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उपलब्ध रहेंगे।

'संविधान की बात कठपुतली के साथ' कार्यक्रम का आगाज

वाराणसी। देश में संविधान लागू हुए 74 वर्ष हो गए हैं। भारतीय संविधान की हीरक जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों की शुरूआत हो चुकी है। इसी क्रम में सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट ने वाराणसी के कठपुलती कलाकारों की टीम 'क्रिएटिव पपेट आर्ट्स ग्रुप' के संयुक्त तत्वावधान में एक अभिनव प्रयास प्रारंभ किया है। छात्रों को संवैधानिक मूल्य, मौलिक अधिकार, कर्तव्य और संविधान की उद्देशिका का अर्थ समझाने के लिए कठपुतलियों को माध्यम बनाया गया है। ₹संविधान की बात कठपुतली के

कार्यक्रम

कठपुतली नृत्य से छात्रों को समझाया संवैधानिक मूल्यों का महत्व

साथ₹ कार्यक्रम का आगाज केंद्रीय विद्यालय भंदहाकला (जो वर्तमान में आयर में स्थित है) में प्रथम प्रस्तुति से हुआ। इसके बाद जूनियर हाई स्कूल मुर्दहा बाजार में भी नाटक की प्रस्तुति की गयी। साथ में पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई गई। क्रिएटिव पपेट आर्ट्स ग्रुप के निदेशक मिथिलेश दुबे ने बताया कि लगभग आधे घंटे की प्रस्तुति में हम रोचक तरीके से संवैधानिक मूल्यों से बच्चों को परिचित कराने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे बच्चे जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में अग्रसर हों। उन्होंने कहा कि अगले एक साल में हम लगभग 100 विद्यालयों ऐसी प्रस्तुतियां देंगे। आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पांडेय ने कार्यक्रम के बारे में बताया कि बच्चों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति सचेत करने के लिए कठपुतली को माध्यम बनाया गया, जिससे विलुप्त हो रही कठपुतली विधा का भी संरक्षण हो सके।

Concern over increasing use of chemicals in agriculture

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

A one-day seminar was organised in Bhandha Kala village here on Sunday to discuss the strategy required to make agricultural products toxin-free and to promote the technology adopted for it. In the seminar on 'Toxin-free farming requirements, possibilities and challenges' organised in the premises of social organisation Asha Trust, concern was expressed over the increasing use of chemicals in agriculture and the need to adopt toxin-free and natural methods was emphasised. Progressive farmers from many districts of Purvanchal (eastern UP) and representatives and scientists of Lok Bharati put forward their suggestions. The state coordinator of Lok Bharati organisation, Dr RR Singh said that for bringing a respectable increase in agricultural income and prosperity of farmers, various new methods will have to be adopted by abandoning the attachment to traditional farming. The seminar was chaired by Vijay Bahadur Singh during which Krishna Chaudhary, AK Singh, Shailendra Raghuvanshi, Ram Badan Dubey, Ranvijay, Surya Mani Mishra and others expressed their views.

राष्ट्रीय सहारा

वाराणसी • सोमवार • 23 दिसम्बर • 2024

खेती में रासायनिक उर्वरक व कीटनाशक का प्रयोग घातक

चौबेपुर/वाराणसी (एसएनबी)। कृषि उत्पादों को विषमुक्त बनाने की जरूरत और उसके लिए अपनाए जाने वाली तकनीक के प्रचार प्रसार के लिए आवश्यक रणनीति पर चर्चा के लिए रविवार को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन क्षेत्र के भंदहा कला ग्राम में हुआ। सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट के परिसर में आयोजित विष मुक्त खेती आवश्यकता, संभावनाएं एवं चुनौतियां विषयक संगोष्ठी में खेत खलिहानों में बढ़ते रसायनों के उपयोग पर चिंता हुई। इसके साथ ही वक्ताओं द्वारा विष मुक्त एवं प्राकृतिक पद्धति अपनाये जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए जरूरी है विषमुक्त खेती, विषमुक्त खेती पर संगोष्ठी का आयोजन

गोष्ठी में पूर्वांचल के कई जिलों के प्रगतिशील किसानों और लोकभारती के प्रतिनिधियों और वैज्ञानिकों ने अपने सुझाव रखे। गोष्ठी में आए हुए किसानों और लोक भारती के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा जन कल्याण और जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम लगातार संचालित किये जा रहे है, इसी क्रम में इस गोष्ठी का आयोजन किया गया है।खेती किसानी की उपेक्षा करके राष्ट्र कभी आगे नही बढ़ सकता, अन्नदाता को समय के साथ अपने आप को बदलना होगा और नई तकनीक के साथ किसानी को उत्कृष्ट स्तर तक पहुँचाना होगा।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए लोक भारती संगठन के प्रांत समन्वयक डॉ आरआर सिंह ने कहा कि कृषि आय में सम्मानजनक वृद्धि लाने और किसानों की खुशहाली के लिए परम्परागत खेती से मोह त्याग कर विभिन्न नई पद्धतियों को अपनाना होगा। रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से एक तरफ कृषि की लागत बढ़ रही है, वहीं खेतों की ऊर्वरता भी प्रभावित हो रही है ऐसे में किसानो को शून्य लागत प्राकृतिक खेती की पद्धति को अपनाना चाहिए। इससे हम विषमुक्त खाद्य समाज को उपलब्ध करा पाएंगे। वक्ताओं ने किसानों को कृषि के साथ पशु पालन, मधुमक्खी पालन, बागवानी, औषधीय पौधों की खेती, मुर्गी पालन आदि कृषि आधारित उद्यमों को भी अपनाने का सुझाव दिया। वहीं पर्यावरण के प्रति सचेत रहते हुए खाली भूमि में अधिकाधिक वृक्षारोपण के लिए कहा। अध्यक्षता करते हुए विजय बहादुर सिंह ने कहा कि खेती किसानी के उत्थान से ही देश का भला होगा, किसानों को सरकारी योजनाओं पर निर्भरता छोड़ कर अपने कर्म कौशल से कृषि में लागत न्यूनतम और उत्पादन अधिकतम स्तर तक पहुंचाना होगा। इसके लिए विषमुक्त प्राकृतिक खेती पद्धति को अपनाना श्रेयस्कर होगा।

कृषि गोष्ठी में प्रमुख रूप से श्रीकृष्ण चौधरी, आशीष कुमार सिंह, शैलेन्द्र रघुवंशी, हरिशंकर किसान, राम बदन दुबे, रणविजय, सूर्यमणि मिश्र, उदित नारायण शुक्ल, देवनारायण यादव, हरेन्द्र सिंह, फौजदार यादव, शैलेश बरनवाल, पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, रणवीर पाण्डेय, दीप मणि मिश्र आदि ने विचार व्यक्त किये । व्यवस्था में प्रदीप सिंह, दीन दयाल सिंह, सरोज देवी, सुनीता यादव, लकी चौबे, संजना, निक्की, पूजा, वंदना आदि का विशेष योगदान था।

संविधान ज्ञान परीक्षा में चयनित 28 बच्चे पुरस्कृत

उपलब्धि

बीटीएस व गुरु नानक खालसा इंटर कॉलेज में प्रतिभावान बच्चों को दिया गया प्रशस्ति पत्र और उपहार

वाराणसी। संविधान के बारे बच्चों को सामान्य जानकारी से अवगत कराने के उद्देश्य से विभिन्न विद्यालयों के कक्षा नवीं से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए संविधान आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट द्वारा विभिन्न विद्यालयों में किया जा रहा है। इस के तहत बुधवार को नगर के बेसेंट थियोसोफिकल इंटर कॉलेज व गुरु नानक खालसा बालिका इंटर कालेज में चयनित कुल 28 बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इन विद्यालयों में परीक्षा का आयोजन पिछले दिनों किया गया था।

इस अवसर पर आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पांडेय ने कहा कि बच्चों को हमारे संविधान की प्रमुख विशेषताओं को जानना चाहिए, जिससे वे बड़े होकर जनहित में आमजन को जागरूक कर सकें। कार्यक्रम संयोजक डा. इंदु पांडेय ने कहा कि संविधान में निहित प्रमुख तत्वों को विद्यार्थी जीवन से ही अवगत कराने की दिशा में संस्था द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है, जिससे खेल-खेल में ही बच्चे संविधान के बाबत जो जानकारी हासिल कर लेंगे, वह उनके लिए जीवन भर उपयोगी रहेगा।

गुरु नानक खालसा बालिका इंटर कॉलेज की प्राचार्या सुमेधा सिंह ने कहा कि बच्चों में संवैधानिक मूल्यों की स्थापना के लिए संस्था द्वारा किया जा रहा प्रयास सराहनीय है, वहीं बेसेंट थियोसोफिकल इंटर कॉलेज की प्राचार्या अंजू राय ने कहा कि बच्चों के अधिकारों के साथ कर्तव्य के प्रति भी जागरूक किया जाना आवश्यक है। परीक्षा में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व पुस्तकें देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में सुशील कुमार, दीपक, रश्मि सिंह, उन्नति सहाय, विनीता शुक्ल, डा. मृदुला राय, मृदुला नौटियाल, रीमा चौरसिया, बबिता पटेल, शिवानी दास आदि की विशेष भूमिका रही।

गांवों में छिपी हैं अनेक प्रतिभाएं, तराशने की जरूरत

संवाद सूत्र, जागरण● चौबेपुरः ग्रामीण परिवेश की बालिकाओं के लिए कबड्डी, कुश्ती, एथलेटिक्स में काफी संभावना है बशर्ते उन्हें सही मार्गदर्शन और अवसर मिल सके। यह कहना है अंतरराष्ट्रीय स्तर के कबड्डी खिलाड़ी और लक्ष्मण पुरस्कार से सम्मानित ताडकेश्वर सिंह यादव का। वे रविवार को सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट द्वारा भंदहा कला (कैथी) गांव में बालिकाओं के लिए संचालित ई-लाइब्रेरी में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे गांवों में अनेक प्रतिभाएं छिप हुई हैं जिन्हें तलाशने और तराशने की जरूरत है। ताडकेश्वर यादव वर्तमान में रेलवे में कार्यरत हैं और नए खिलाड़ियों को निश्शुल्क प्रशिक्षित करते हैं।

आशा ई-लाइब्रेरी की बालिकाओं को ताडकेश्वर यादव ने दिया प्रशिक्षण● जागरण

इसके पूर्व संस्था के सदस्यों द्वारा ताडकेश्वर सिंह यादव एवं उनके साथ आए कबड्डी व शूटिंग कोच रमेश कुमार का सम्मान किया। इस अवसर पर संस्था के समन्वयक वल्लभाचार्य पांडेय ने कहा कि ग्रामीण परिवेश की बालिकाओं को स्कूली शिक्षा के दौरान खेल का उचित प्रशिक्षण, खेल सामग्री और आवश्यक पोषण दिया जाना चाहिए तभी हम अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अधिक पदक पा सकेंगे। ताडकेश्वर यादव ने आशा लाइब्रेरी से जुड़ी बालिकाओं को कबड्डी खेल में अच्छा करने के लिए कुछ उपयोगी बातें सिखाईं। कार्यक्रम का संचालन अमित राजभर और धन्यवाद ज्ञापन रणवीर पांडेय किया। सौरभ चन्द्र, प्रदीप सिंह, अंशिका, मोनी, ज्योति सिंह, नंदिनी, महक, श्रुति, कंचन आदि रहीं।

निम

पत्रांकः– 3234 / 4ए

आशा ई लाइब्रेरी में मनाया गया कजली मेंहदी उत्सव

लोकगीतों में आयी अश्लीलता और गिरावट समाज के लिए खतरनाक : वल्लभाचार्य पाण्डेय

चौबेपुर (वाराणसी)। लोकसंगीत और लोकसंस्कृति को संजोए रखने की दिशा में सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट ने एक महत्वपूर्ण पहल की जिसके अंतर्गत भन्दहाकला कैथी स्थित ई लाइब्रेरी एवं अध्ययन केंद्र पर मंगलवार को कजली मेंहदी उत्सव का आयोजन किया गया। लाइब्रेरी से जुड़ी बालिकाओं और उनके परिवार की महिलाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक, पर्यावरणीय, धार्मिक, सामाजिक, प्रकृति आदि मुद्दों पर कजली गाई और एक दूसरे को मेंहदी लगाई। एक समूह ने 'बंसी बाज रही वृंदावन, झूले राधा झुलनवा ना, झर झर झरे बदरवा कारे, झूला झुलावत कान्हा ना' गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की तो वही दूसरे समूह ने 'केकर आस धरी सावन में, पिया मोर गए बिदेसवा ना' सुना कर भावुक कर दिया। इस अवसर पर आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पांडेय ने कहा कि वर्तमान समय मे भोजपुरी गीत में आई अश्लीलता और गिरावट चिंतनीय है यह समाज के लिए अत्यंत खतरनाक है। नई पीढ़ी को लोक संगीत और लोक परंपरा से जोड़े रखने के लिए इस उत्सव का आयोजन किया गया है। उत्सव के आयोजन में सरोज सिंह, साधना पांडेय, ज्योति सिंह, प्रवीण पांडेय, रूबी पांडेय, रंजना पांडेय, शकुंतला सिंह, पूनम पांडेय, प्रियंका, माला देवी, रचना देवी, विद्या, आँचल, प्रदीप सिंह, दीन दयाल आदि का विशेष योगदान रहा।

बेटियों के लिए संचालित आशा लाइब्रेरी एवं स्टडी सेंटर का दो वर्ष पूरा

-बेटियां पढ़े आगे बढ़ें के संकल्प से संचालित की जा रही है ई-लाइबेरी
-सुविधाओं और संसाधन के सही उपयोग से बच्चियां पूरे कर सकती हैं अपने सपने : सौम्या सिंह

चौबेपुर (वाराणसी),ब्यूरो। ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, ऑनलाइन कोचिंग क्लास, परीक्षाओं की पुस्तकों, पत्रिकाओं, खेलकूद के सामान की व्यवस्था एक ही छत के नीचे करने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट द्वारा भंदहा कला (कैथी) गाँव में संचालित किये जा रहे ई लाइब्रेरी एवं स्टडी सेंटर का दो वर्ष पूर्ण होने पर केंद्र से जुड़ी बच्चियों ने वार्षिकोत्सव मनाया।इस अवसर पर बच्चियों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये. उपस्थित आगंतुकों को सम्बोधित करते हुए आशा के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने बताया संस्था द्वारा बेटियां पढ़ें खूब आगे बढ़ें का उद्धेश्य लेकर इस केंद्र का संचालन किया जा रहा है जिससे

क्षेत्र की बालिकाएं अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन करते हुए राष्ट्र की बेहतर सेवा में अपना योगदान दे सकें । आस पास के कई गांवों की लगभग 6 दर्जन बच्चियां केंद्र का नियमित लाभ पूरी तरह निःशुल्क ले रही है । केंद्र पर कक्षा 6 से 12 की बालिकाओं के गणित, विज्ञान और अंग्रेजी के विशेष शिक्षण की व्यवस्था की गयी है . विशिष्ट अतिथि रणवीर पाण्डेय ने कहा कि ईमानदारी और लगन से लाइब्रेरी में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करना आवश्यक है।मुख्य अतिथि सौम्या सिंह ने कहा कि संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके आत्मविश्वास में वृद्धि के लिए उपयोगी कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है जिसका भरपूर उपयोग कर ग्रामीण बच्चियां अपने सपनो को साकार कर सकती है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कार्यक्रम में संचालन ज्योति सिंह, अध्यक्षता मधुरानी पाण्डेय और धन्यवाद ज्ञापन गीता पाण्डेय ने किया । इस अवसर पर प्रदीप सिंह, साधना पाण्डेय, सरोज सिंह, पूनम, मोनी कुमारी, सुनीता यादव, निक्की, रंजना, रणवीर पाण्डेय, रूबी, प्रवीण, मीनाक्षी दुबे, मंजरी, रूपांशी, मानवी, पूजा, नन्दना, आरुशी, नेहल, श्रुति, सोनम, गुडिया, विधि, अदिति, ख़ुशी, कशिश,आकांक्षा, सपना, पूनम, स्वाती, रिया आदि की उपस्थिति रही।

Cyclist on journey for green cause gets rousing welcome in Kashi

Sanjay Gupta

Binay Singh | TNN

Varanasi: Ankit Das, an ardent environmental advocate, on a bicycle expedition from Dehradun to Chakulia in Bengal, was welcomed in Varanasi on his arrival on Monday.

The 34-year-old environmentalist from Dehradun, embarked on his expedition to disseminate the message of nature conservation on September 12 from Dehradun. He reached Bhanda Kala Kaithi in Varanasi district on Sunday and was greeted with a cordial welcome at Asha Trust premises on Monday.

Traversing an average of 50 to 60 kilometres each day, Ankit Das reached Varanasi on Sunday and will reach Bihar via Sarnath on Wednesday. Ankit, eschewing the convenience of a smartphone and security of money, relies entirely on the benevolence of the public for accommodation and sustenance.

Ankit Das, an environmental advocate who commenced an intrepid bicycle expedition from Dehradun to Chakulia in Bengal, welcomed in Varanasi

Throughout his approximately 900-kilometre journey thus far, he has encountered no impediments in securing lodging or meals.

Ankit has previously undertaken seven such intrepid expeditions across various regions of the country, including three on foot. Asha Trust coordinator Vallabhacharya Pandey bestowed upon him a shawl and a *memento in recognition* of his noble endeavours. Among those present at the occasion were Deen Dayal Singh, Pradeep Singh, Saroj Singh, Sunita, Moni, Sadhana Pandey, Anshika, Sarika, Neha Kumari, Muskan, Roshni, Shabbo, Poonam, Ayushi, Rajveer, and others.

बच्चों में पढ़ने की आदत बनाये रखना व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक वल्लभाचार्य पाण्डेय

- कुर्सिया, डुडुवा और चन्द्रावती परिषदीय विद्यालय में बाल साहित्य उपलब्ध कराए गये सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट की पहल संस्था द्वारा अब तक 15 आशा बाल पुस्तकालय प्रदान किये गये हैं.

पहल टुडे राहुल कुमार यादव

वाराणसी- बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित सविलियन विद्यालय डुडूंवा एवं प्राथमिक विद्यालय चंद्रावती तथा दुर्गवा में बुधवार को सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट द्वारा बच्चो की रोचक पुस्तकें प्रदान करते हुए आशा बाल पुस्तकालय की श्रृंखला प्रारंभ की गयी है । एक देश समान शिक्षा अभियान के अंतर्गत सभी को समान और बेहतर शिक्षा के अवसर की उपलब्धता के लिए संस्था द्वारा विगत तीन वर्षों से सरकारी स्कूलों में बाल साहित्य प्रदान किया जा रहा है । इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने कहा कि बदलते समय के साथ बच्चों में पढ़ने की रूचि कम हो रही है जबकि पढ़ने की आदत से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास होगा और वे जागरूक होंगे अन्यथा सोशल मीडिया पर प्राप्त अधकचरी और असत्य जानकारियों को ही सत्य मानने से उनमे सही गलत की पहचान करने की क्षमता नष्ट हो जायेगी । कार्यक्रम संयोजक दीन दयाल सिंह ने कहा कि हमने देश के विभिन्न प्रकाशकों से रोचक बाल साहित्य का चयन किया है जिससे बच्चों में पढने के प्रति उत्साह का संचार हो, अब तक कुल 15 आशा बाल पुस्तकालयों का संचालन किया गया है । हमारी कोशिश है कि राजवारी, चौबेपुर और धौरहरा संकुल के अन्य विद्यालयों में भी हम आशा बाल पुस्तकालय की स्थापना कर पाएं । चन्द्रावती विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी नागेन्द्र सरोज ने कहा कि व्यक्तित्व विकास के लिए किताबों का बहुत महत्व है, इसमें निहित ज्ञान को आत्मसात करने से हम परिवार, समाज, देश और प्रकृति के प्रति एक जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं । शिक्षिका डॉ सुमन कुमारी ने कहा कि तकनीक के इस दौर में बाल साहित्य से बच्चों की दिनों दिन बढ़ती दूरी को कम करना आवश्यक है । सभी तीनो विद्यालयों में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन द्वारा अपने पुत्र के शिक्षक को लिखे पत्र को भी प्रदर्शित किया गया जिसमे उन्होंने शिक्षक से अपील की है कि बच्चे को स्थानीय परिवेश और जानकारियों से अवगत कराते हुए उसमे अधिकतम पुस्तकों को पढ़ने की रूचि पैदा करें । इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रदीप सिंह, बृजेश कुमार, सौरभ चन्द्र, राजेश रौशन, मदन गोपाल सिंह, सुरेश राम, रीना वर्मा, प्रवीण चौबे, रेखा दुबे, मनीष जायसवाल, रामाश्रय, संतोष कुमार, विवेक कुमार, किरन यादव, प्रकाश यादव, राम अवतार, धनञ्जय, दीनानाथ यादव, जितेन्द्र, लालमन, रमेश साधना, रामकुमार, संजीव, मुन्नू लाल, धर्मेन्द्र यादव, बनारसी यादव आदि की प्रमुख रूप से उपस्थिति रही ।

आशा सामजिक शिक्षण केन्द्रों का संचालन प्रारम्भ

SHREE 7NEWS वाराणसी

जनपद में कुल 11 केंद्र का संचालन लगभग 350 बच्चे हो रहे हैं लाभान्वित

चौबेपुर (वाराणसी) सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट द्वारा ईंट भट्ठों पर काम करने वाले प्रवासी मजदूरों के बच्चों के लिये शिक्षण केंद्रों का संचालन प्रारंभ किया है। वहीं चोलापुर और आराजीलाइन विकास खण्ड क्षेत्र में अलग अलग कुल 11 ईंट भट्ठों पर आशा सामाजिक शिक्षण केंद्र के नाम से यह केंद्र संचालित किये जा रहे है। बिहार, झारखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से आने वाले प्रवासी मजदूरों के बच्चे वर्ष में अधिकांश समय अपने परिवार के साथ ईंट भट्ठों पर गुजारते हैं, जिससे उनकी स्कूली शिक्षा प्रायः नहीं हो पाती है। ऐसे बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुये संस्था द्वारा अस्थाई अनौपचारिक शिक्षा केंद्र का संचालन किया जा रहा है। जिसमे ईंट भट्ठा संचालकों का भी पूरा सहयोग मिलता है।

आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय जी नें बताया कि बिहार और झारखंड में दीपावली और छठ पर्व समाप्त होने के बाद प्रवासी श्रमिकों का भट्ठों पर आना प्रारंभ होता है। हमारे कार्यकर्ता श्रमिकों के बच्चों का सर्वेक्षण करके उन्हें आस पास के सरकारी स्कूलों में नामांकित कराने की कोशिश करते हैं, और स्कूल की अवधि के बाद इन अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों पर बच्चों के साथ विभिन्न शैक्षणिक और खेल गतिविधियाँ करते हैं। केंद्र पर आने वाले सभी बच्चों को गर्म कपड़े और किताब, कॉपी, स्लेट की व्यवस्था भी संस्था द्वारा की जाती है। मानसून प्रारंभ होने पर प्रवासी मजदूरों की वापसी शुरू हो जाती है, और संस्था द्वारा संचालित इन शिक्षण केन्द्रों को भी 4 महीनें के लिए बंद कर दिया जाता है। सभी केन्द्रों को मिला करजी लगभग 350 बच्चे इस प्रयास से लाभान्वित हो रहे हैं।

केन्द्रों के संचालन में दीन दयाल सिंह, प्रदीप सिंह, अमित कुमार, रमेश प्रसाद, अनीता देवी, आँचल कुमारी, विद्या देवी, आंचल, नीलम देवी, नीलम प्रधान, रचना, शशिकला, पुष्पा देवी, लालमनी, ब्रिजेश कुमार, जनक नंदिनी, अमृता, सुनीता, सौरभ चन्द्र आदि की विशेष रूप से भूमिका है।

नागरिकों को अधिकार के साथ कर्तव्य का भी बोध आवश्यक

चौबेपुर/वाराणसी। देश का संविधान लागू हुए 75 वर्ष पूरे होने को है इस उपलक्ष्य वर्ष पर्यंत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस क्रम में सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को भंदहा कला कैथी स्थित प्रशिक्षण केंद्र पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि नागरिकों को अपने मौलिक अधिकारों के प्रति तो सचेत होना ही होगा साथ ही अपने कर्तव्यों के प्रति भी तत्पर होना पड़ेगा तभी एक स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम हो सकेगी। संविधान सभा में शामिल 15 महिलाओं के योगदान को प्रदर्शित करना वाले पोस्टर भी जारी किये गये। कठपुतली कलाकार मिथिलेश दुबे की टीम ने संवैधानिक मूल्यों पर केनद्रित पपेट शो का प्रस्तुतीकरण किया। प्रतिभागियों का अभिनंदन आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पांडेय व अध्यक्षता अफलातून तो संचालन दिवाकर सिंह और धन्यवाद ज्ञापन नन्दलाल मास्टर ने किया। गोष्ठी में राम धीरज भाई, प्रो वसंत शिंदे, प्रो रमन पंत, पारमिता, प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे, रवि शेखर, डॉ. शशिभूषण सिंह, गोविंद चौबे, धनंजय त्रिपाठी, दिवाकर सिंह, डॉ इंदु पांडेय, राम जनम, डॉ अनूप श्रमिक, नंदलाल मास्टर, डॉ लेनिन रघुवंशी, श्रुति, डॉ अभिषेक चौबे, जयंत भाई, अशोक यादव, धर्मेन्द्र सिंह, हौसिला, सलीमुद्दीन सिद्धिकी, निजामुद्दीन, फिरोज, राजकुमार पटेल, डॉ रवि गुप्ता, प्रदीप, सौरभ, दीन दयाल आदि उपस्थित थे।

कठपुतली से संवैधानिक मूल्यों की दी जानकारी

आशा ट्रस्ट केंद्र पर 'संविधान की बात कठपुतली के साथ' नाटक की प्रस्तुति देखते बच्चे।

संवाद सहयोगी, जागरण, चौबेपुर : भारतीय संविधान की हीरक जयंती के अवसर पर सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट और वाराणसी के कठपुतली कलाकारों की टीम 'क्रिएटिव पपेट आर्ट्स ग्रुप' के संयुक्त तत्वावधान में एक अभिनव प्रयास किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत छात्रों को संवैधानिक मूल्य, मौलिक अधिकार, कर्तव्य और संविधान की उद्देशिका का अर्थ समझाने के लिए कठपुतलियों का सहारा लिया गया है। शनिवार को "संविधान की बात कठपुतली के साथ" नाटक की प्रस्तुति आशा ट्रस्ट केंद्र पर की गई। क्रिएटिव पपेट आर्ट्स ग्रुप के निदेशक मिथिलेश दुबे ने बताया कि लगभग आधे घंटे की प्रस्तुति में हम रोचक तरीके से संवैधानिक मूल्यों से बच्चों को परिचित कराने की कोशिश कर रहे हैं। आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पांडेय, दीन दयाल सिंह, प्रदीप सिंह, सौरभ चंद्र, अमित कुमार, रमेश प्रसाद, सरोज आदि रहे।

राष्ट्रीय सहारा
वाराणसी • बृहस्पतिवार • 6 जून • 2024

विश्व पर्यावरण दिवस पर ली गयी पर्यावरण संरक्षण की शपथ

चौबेपुर/वाराणसी (एसएनबी)। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित किये गये विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के क्रम में सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट द्वारा भंदहा कला में संचालित ई-लाइब्रेरी एवं स्टडी सेंटर की बालिकाओं ने पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए शपथ लिया। केंद्र के आसपास स्वच्छता अभियान चलते हुए सिंगल यूज पॉलीथिन का प्रयोग न करने का संकल्प लिया गया।

पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण की औपचारिकता पर्याप्त नहीं, पौधे भी होंगे बचाने : वल्लभाचार्य पांडेय

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा 8 सूत्रीय पर्यावरणीय शपथ में अपने जीवन काल में कम से कम 10 पौधों का रोपण करने और उसे बचाने, अपने घर, विद्यालय, कार्यालय के आसपास सफाई रखने, प्राकृतिक संसाधनों का कम से कम दोहन करने, जल संरक्षण एवं अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने और नदियों व तालाबो में गंदगी न करने जैसे संकल्प शामिल रहे। इस अवसर पर संस्था के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने कहा कि पर्यावरण दिवस पर पौधे लगाने की औपचारिकता से ऊपर उठकर पौधों को सुरक्षित रखकर वयस्क पेड़ बनाने तक की जिम्मेदारी लेनी होगी, अन्यथा आने वाले वर्षों में भीषण गर्मी से जीवन कठिन हो जाएगा। इस अवसर पर सुनीता, शब्बो, पूनम, अंशिका, नेहा, प्रीति, मोनी, निधि, सारिका, प्रिया, प्रियंका, साधना पाण्डेय, प्रदीप सिंह, महेश कुमार उपस्थित रहे।

नेत्र परीक्षण शिविर में 54 लोगों की गयी निःशुल्क जांच

चयनित 22 मोतियाबिंद मरीजों का होगा मुफ्त लेंस प्रत्यारोपण

चौबेपुर/ वाराणसी,आपका मेट्रो। सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट एवं आर. जे. शंकरा आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन बुधवार को भन्दहा कला, कैथी केंद्र पर किया गया। शिविर में कुल 54 लोगों ने नेत्र परीक्षण कराया जिसमे से चिन्हित 22 मोतियाबिंद के मरीजों को मुफ्त ऑपरेशन, लेंस और चश्मा की सुविधा दी जायेगी। अस्पताल में आवश्यक जांच के उपरान्त बृहस्पतिवार को ऑपरेशन किया जाएगा। सभी मरीजों को वापस शुक्रवार अस्पताल की बस द्वारा वापस आशा केंद्र पर पहुंचा दिया जाएगा।

नेत्र परीक्षण शिविर में आर जे अस्पताल की टीम में सामुदायिक आउटरीच एडमिन संदीप सिंह के नेतृत्व में नेत्र विशेषज्ञ श्रुति शर्मा,सतीश पाल एवं नेत्र सहायक नेहा पाल शामिल रहे। आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने बताया कि जिला अंधता निवारण समिति, आर. जे. शंकरा आई अस्पताल और आशा ट्रस्ट के सौजन्य से ऐसे शिविर प्रत्येक माह के चौथे बुधवार को आशा ट्रस्ट केंद्र पर आयोजित किये जायेंगे जिससे क्षेत्र के सभी जरूरतमंद और गरीब लोगों को मोतियाबिंद से निजात मिल सके। इस केंद्र पर अगला शिविर 25 जून को लगेगा। शिविर के आयोजन में प्रदीप सिंह, दीन दयाल सिंह, अरुण कुमार पाण्डेय, ज्योति सिंह, नर नाहर पाण्डेय, सौरभ चन्द्र, रमेश प्रसाद, ब्रिजेश कुमार, रमेश चन्द्र श्रीवास्तव आदि ने विशेष रूप से सहयोग किया।

THANKS